PAPER -

DR. RAHUL KR PASWAN
DEPT OF POL. SCI.
[redacted]

तुलनात्मक राजनीति का अर्थ और परिभाषाएं

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र काफी व्यापक है। तुलनात्मक राजनीति का सम्बन्ध राजनीतिक व्यवस्था की संपूर्णता के अध्ययन से है, जिसमें विभिन्न सरकारों तथा अन्य राजकीय संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन अपने-आप सम्मिलित रहता है। जी. के. रॉबर्ट्स ने तुलनात्मक राजनीति का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया है, "तुलनात्मक राजनीति वृहत्तर क्षेत्र का संकेतक है जिसमें तुलनात्मक सरकारें और गैर-राजकीय राजनीति – कबीलों, समुदायों तथा गैर-राजकीय संगठनों की राजनीति का भी अध्ययन किया जाता है।

Definitions ⇒ तुलनात्मक राजनीति के अर्थ की जानकारी उपर्युक्त तथ्यों के विश्लेषण से हो जाती है। अनेक विद्वानों ने तुलनात्मक राजनीति की परिभाषाएं दी हैं, जिन्हें हम निम्नलिखित रूप में रख सकते हैं—

राल्फ ब्रेबन्टी :— "तुलनात्मक राजनीति संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था में उन तत्वों की पहचान और व्याख्या है, जो राजनीतिक कार्यों और उनके संस्थागत प्रकाशन को प्रभावित करते हैं"।

एम. कर्टिस :— "तुलनात्मक राजनीति का सम्बन्ध संस्थाओं की कार्यविधि व राजनीतिक व्यवहार की महत्वपूर्ण निरन्तरताओं, समानताओं और असमानताओं से है"।

एडवर्ड ए. फ्रीमैन :— "तुलनात्मक राजनीति संस्थाओं एवं सरकारों के विविध प्रकारों का एक तुलनात्मक विवेचन एवं विश्लेषण है"।

तुलनात्मक राजनीति की उपर्युक्त परिभाषाओं का जब हम विश्लेषण करते हैं, तब स्पष्ट हो जाता है कि यह राजनीतिक संस्थाओं और व्यवहार

की अवधारणाओं - अवधारणाओं के अध्ययन से संबद्ध है।
अतः इन परिभाषाओं के विश्लेषण से हम निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि तुलनात्मक राजनीति एक स्वतंत्र अनुशासन है, क्योंकि एक स्वतंत्र अनुशासन के लिए आवश्यक सुस्पष्ट एवं निश्चित विषय-क्षेत्रों की जरूरत होती है, वे सब इसमें है अध्ययन संबंधी इसकी अपनी विकसित पद्धतियाँ एवं विधियाँ है अतः तुलनात्मक राजनीति की जानकारी के बिना व्यापक राजनीति ज्ञान असंभव है

⇒ तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र (Scope of Comparative Politics)

(1) ⇒ परंपरागत दृष्टिकोण (Traditional Approach)

परंपरागत दृष्टिकोण का ही अन्य नाम कानूनी तथा संस्थागत दृष्टिकोण है पुराने राजनीतिक विचारकों द्वारा अपनाए गए तरीकों को ही हम परंपरागत दृष्टिकोण कहते हैं इस दृष्टिकोण का प्रयोग अरस्तू ने किया है अरस्तू ने यूनानी नगर राज्यों के 158 संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन किया था अन्य विद्वान जैसे मैकियावेली, कार्ल मार्क्स, मॉन्टेस्क्यू आदि राजनीतिक दार्शनिकों ने इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया है

परंपरावादियों ने मुख्यतः शासन की संरचनाओं और संवैधानिक ढांचों का वर्णन पर जोर दिया। विशेषरूप से इन विद्वानों ने विभिन्न संविधानों का अध्ययन किया था और उनके अध्ययन का क्षेत्र अमेरिका, फ्रांस आदि पश्चिमी देशों के संविधान थे। इनके अध्ययन की शैली ऐतिहासिक और वर्णनात्मक रही है। तुलनात्मक राजनीति का परंपरागत दृष्टिकोण अविकसित था यह केवल नाममात्र का तुलनात्मक था साधारणतः यह विदेशी सरकारों के अध्ययन का एक भाग रहा है, जिसमें सरकारी संरचनाओं तथा शासन की संस्थाओं के औपचारिक संगठन की व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, संविधानवादी विवेचना की गई है इसमें विभिन्न संविधानों तथा राजनीतिक शक्ति के विभाजन से संबद्ध कानूनी वैध प्रपत्रों पर बल दिया गया है